

# प्रधानमंत्री ने कहा, भारतीयों को ‘वोकल फॉर लोकल’ मंत्र का पालन करना चाहिए

अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में, मोदी ने अमेरिकी टैरिफ के कारण व्यापार में उथल-पुथल के बीच आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया; देश में प्रकृतिक-आपदाओं से होने वाली तबाही पर दुख व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को त्योहारों के मौसम के नज़दीक आते ही भारतीयों से "स्वदेशी (भारत में निर्मित)" उत्पादों पर गर्व करने का आग्रह किया। अपने मासिक रेडियो संबोधन "मन की बात" में, उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को एक मंत्र, "वोकल फ़ॉर लोकल"; एक मार्ग, "आत्मनिर्भर भारत"; और एक लक्ष्य, "विकसित भारत" का पालन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन में आवश्यक हर चीज़ स्वदेशी होनी चाहिए। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाए जाने के बाद देश को आत्मनिर्भर बनने की अपनी हालिया अपील को दोहराया।

देश के विभिन्न हिस्सों में गणेश चतुर्थी और दुर्गा पूजा व दीपावली के त्योहारों के अवसर पर, उन्होंने कहा कि लोगों को त्योहारों के दौरान उपहार, कपड़े या सजावट की वस्तुएँ खरीदते समय स्वदेशी उत्पादों को नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने इस वाक्यांश को तीन बार दोहराते हुए कहा, "गर्व से कहो, 'यह स्वदेशी है'।" अपने मासिक प्रसारण के समापन भाषण में उन्होंने कहा, "एकमात्र मंत्र है, वोकल फ़ॉर लोकल, एकमात्र मार्ग है आत्मनिर्भर भारत, एकमात्र लक्ष्य है विकसित भारत।"

उन्होंने बरसात के मौसम में प्राकृतिक आपदाओं से मची तबाही पर भी अपनी पीड़ा व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा, "इस मानसून में प्राकृतिक आपदाएँ देश की परीक्षा ले रही हैं।"

उन्होंने कहा, "कहीं घर तबाह हो गए, कहीं खेत जलमग्न हो गए, बड़ी संख्या में परिवार बर्बाद हो गए। कहीं पुल पानी के तेज बहाव में बह गए, सड़कें बह गईं, लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। इन घटनाओं ने हर भारतीय को दुखी किया है।"

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि राष्ट्रीय और राज्य आपातकालीन बलों ने लोगों की मदद के लिए दिन-रात मेहनत की है। उन्होंने कहा कि बचाव और राहत कार्यों में धर्मल कैमरे, लाइफ डिटेक्टर, खोजी कुत्ते और ड्रोन निगरानी जैसी आधुनिक तकनीक और संसाधन तैनात किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा बलों, स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, डॉक्टरों और प्रशासन ने संकट की इस घड़ी में हर संभव प्रयास किया है।

**जम्मू-कश्मीर के खेल आयोजन**  
उन्होंने विनाशकारी प्राकृतिक आपदा के बीच जम्मू-कश्मीर में हुई दो प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डाला - पुलवामा में पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच और श्रीनगर में वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल।

उन्होंने कहा, "ज़्यादा लोगों ने इन पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन आपको इन उपलब्धियों के बारे में जानकर खुशी होगी। पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए... पुलवामा का पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच यहीं खेला गया। पहले यह असंभव था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है।" उन्होंने आगे कहा, "दूसरा आयोजन जिसने ध्यान खींचा, वह था देश का पहला 'खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल', और वह भी श्रीनगर की डल झील में आयोजित। सचमुच, इस तरह के उत्सव के आयोजन के लिए यह कितनी खास जगह है।" जम्मू-कश्मीर के मोहसिन अली, जिन्होंने स्वर्ण पदक जीता है, से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के युवा देश का नाम रोशन कर सकते हैं क्योंकि उनमें अपार क्षमता है।

श्री मोदी ने कहा कि रामायण और भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम अब दुनिया के हर कोने तक पहुँच रहा है, और उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कनाडा के मिसिसॉगा में भगवान राम की 51 फुट ऊँची प्रतिमा का अनावरण किया गया।

रूस के बेहद ठंडे क्षेत्र व्लादिवोस्तोक में इसी महीने एक अनूठी प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें रूसी बच्चों द्वारा रामायण के विभिन्न विषयों पर बनाए गए चित्रों का प्रदर्शन किया गया। श्री मोदी ने कहा, "दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भारतीय संस्कृति के प्रति बढ़ती जागरूकता देखकर वाकई बहुत खुशी हो रही है।"

## नागालैंड विधानसभा में 'शैतान पूजा' के प्रभाव पर चर्चा होगी

60 सदस्यीय नागालैंड विधानसभा मंगलवार को राज्य के युवाओं पर "शैतान पूजा" के प्रभाव पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र आयोजित करेगी।

अध्यक्ष शारिंगेन लोंगकुमेर ने नागा पीपुल्स फ्रंट के विधायक कुझोलुजो निएनु के पत्र पर विचार करने के बाद यह सत्र निर्धारित किया है, जिन्होंने ईसाई बहुल राज्य में इस मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध किया था।

नागालैंड विधान सभा सचिवालय के प्रभारी सचिव खुओहितुओनुओ रियो की एक अधिसूचना के अनुसार, अध्यक्ष ने संबंधित नियमों के तहत श्री निएनु के "अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के मामलों पर नोटिस" को स्वीकार कर लिया है। अधिसूचना में कहा गया है कि नागालैंड में शैतानी पूजा पर प्रतिबंध - विषय पर मंगलवार को प्रश्नकाल के बाद विधानसभा में चर्चा की जाएगी।

श्री निएनु द्वारा 18 अगस्त को अध्यक्ष को लिखे पत्र में लिखा था, “... एक ईसाई राज्य होने के नाते, हमें अपने धर्म का पालन करना चाहिए और सर्वशक्तिमान ईश्वर के प्रति आस्थावान और अनुयायी बने रहना चाहिए। यह देखकर सचमुच बहुत दुख होता है कि हमारी युवा पीढ़ी हमारे धर्म और हमारे प्रभु एवं उद्धारकर्ता ईसा मसीह की शिक्षाओं की पूरी तरह अवहेलना करते हुए खुलेआम शैतानी/शैतान की पूजा को अपना रही है।”

विधायक ने बताया कि “मसीह के लिए नागालैंड” के सिद्धांत के अनुसार, जन नैताओं के लिए बाइबिल में वर्णित आदर्शों और सिद्धांतों पर अडिग रहना अनिवार्य है। उन्होंने लिखा, “इसलिए, मैं आपके कार्यालय से इस पर चर्चा करने और नागालैंड क्षेत्र में शैतानी/शैतान की पूजा को प्रतिबंधित करने और रोकने के लिए कानून बनाने हेतु एक प्रस्ताव पारित करने का आग्रह करता हूँ।”

**‘युवाओं को लुभा रहे पंथ’**  
रविवार को, श्री निएनु ने कहा कि एक खास समूह द्वारा युवा नागा लड़के-लड़कियों को शैतान की पूजा करने के लिए ₹1 लाख या एक दोपहिया वाहन का लालच दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, "ये युवा शैतान की पूजा करने के बाद बहुत अजीब व्यवहार करते हैं," उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईसाई जीवन शैली से उनके विचलन का मूर्ति पूजा या हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म जैसे अन्य धर्मों से कोई लेना-देना नहीं है।

## बाइक बॉट घोटाला मामले में ₹39,442 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

**Devesh K Pandey**  
NEW DELHI

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बाइकबोट घोटाला मामले में ₹394.42 करोड़ से अधिक मूल्य की अचल और चल संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की हैं।

ये संपत्तियां कामाख्या एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट, कामाख्या एजुकेशनल सोसाइटी, गुरु नानक चैरिटेबल ट्रस्ट, अल्पाइन टेक्निकल एजुकेशन सोसाइटी, ए.पी. गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट और मीना आनंद नामक एक व्यक्ति के नाम पर थीं।

गर्वित इनोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड और उसके प्रमोटर संजय भाटी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर बाइकबोट नाम से एक बाइक टैक्सी सेवा की आड़ में निवेश योजनाएँ शुरू की थीं, जिसके तहत ग्राहक एक या एक से अधिक बाइक में निवेश कर सकते थे, जिनका रखरखाव और संचालन



जांच से पता चला कि यह धनराशि विभिन्न कंपनियों में स्थानांतरित कर दी गई थी। फ़ाइल फ़ोटो

कंपनी द्वारा किया जाता था, जबकि निवेशकों को मासिक किराया, ईएमआई और कई बाइक में निवेश करने पर बोनस दिया जाता था।

बाइनरी/मल्टी-लेवल मार्केटिंग संरचना में और अधिक निवेशकों को जोड़ने पर प्रोत्साहन भी दिए जाते थे।

## FAITH

### शक्ति की अभिव्यक्तियाँ

एम.ए. मणिकवेलु ने एक प्रवचन में कहा कि, देवी अबिरामी के प्रति पूर्णतः समर्पित अभिरामी भट्टर ने देवी के विभिन्न स्वरूपों में विद्यमान अनेक रंगों का वर्णन किया है। वे कहते हैं कि वह पिंगलाई हैं, अर्थात् सुनहरे रंग की। स्वाधिष्ठान चक्र में छह पंखुड़ियों वाले कमल में उन्हें इसी रंग में देखा जाता है। स्वर्णिम रंग होने पर देवी शक्ति को काकिनी कहा जाता है। ललिता सहस्रनाम में स्वाधिष्ठान चक्र में स्थित देवी को पीतवर्णा (पीला-पीला; वर्ण-रंग) बताया गया है। धन की चाह रखने वाले लोग इस रूप में अम्बल की पूजा करते हैं।

इसके बाद भट्टर देवी के नीले रंग वाले रूप, नीली के बारे में बात करते हैं। गहरा नीला रंग लगभग काले रंग जैसा दिखता है। देवी काली काली हैं और नीली गहरे नीले रंग की हैं, जो काले रंग के किनारे पर हैं। नीली और काली दोनों का अर्थ एक ही है। भट्टर उन्हें सेय्याल - लाल रंग की देवी के रूप में भी वर्णित करते हैं। मणिपुरक चक्र में, उनका रंग भी ऐसा ही है और उनके तीन मुख हैं। लाल रंग की देवी को लकिनी के नाम से जाना जाता है। वह वेलियाल भी हैं - सफेद रंग की। जब देवी आझा चक्र में दो पंखुड़ियों वाले कमल में प्रकट होती हैं, तो वह सफेद रंग की होती हैं, और उनके छह मुख होते हैं। इस प्रकटीकरण में, उन्हें हाकिनी कहा जाता है। देवी सरस्वती भी आदि शक्ति का एक रूप हैं और उन्हें सफेद रंग के रूप में चित्रित किया गया है, और सरस्वती को ज्ञान और शिक्षा की देवी माना जाता है। भट्टर कहते हैं कि देवी शक्ति एक हरे रंग की लता है। वह गहरे हरे रंग की होती है जब वह अनाहत चक्र में बारह पंखुड़ियों वाले कमल में प्रकट होती है। वह इस रूप में दो मुंह वाली है और उसे रागिनी कहा जाता है। भट्टर उन्हें मलयाल के रूप में भी वर्णित करते हैं। इसे श्री चक्र महामेरु के संदर्भ के रूप में लिया जा सकता है, जिसका श्रीविद्या पूजा परंपरा में बहुत महत्व है।

To Read UPSC Edition on daily basis with MCQ's so please message at 8168305050